9. ईमानदारों के सम्मेलन में

https://www.youtube.com/watch?v=qp2f2hR5jVY

[DD Chandana Samveda Class]

I.एक वाक्य में उत्तर लिखिए:

१.प्रस्तुत कहानी के लेखक कौन हैं?

उत्तर :प्रस्तुत कहानी के लेखक श्री हरिशंकर परसाई जी हैं।

२. लेखक दूसरे दर्जे में क्यों सफर करना चाहते थे?

उत्तर :लेखक दूसरे दर्जे में जाकर पहले दर्जे का एक सौ पचास रुपये लेने के लिए दूसरे दर्जे में सफर करना चाहते थे।

३.लेखक की चप्पलें किसने पहनी थीं?

उत्तर :लेखक की चप्पलें एक ईमानदार डेलिगेट ने पहनी थीं।

४.स्वगत समिति के मंत्री किसको डाँटने लगे ?

उत्तर : स्वागत समिति के मंत्री कार्यकर्ताओं को डाँटने लगे।

५.लेखक पहनने के कपड़े कहाँ दबाकर सोये?

उत्तर :लेखक पहनने के कपड़े को सिरहाने दबाकर सोये।

६.सम्मेलन में लेखक के भाग लेने से किन-किन को प्रेरणा मिल सकती थी?

उत्तर :सम्मेलन में लेखक के भाग लेने से ईमानदारों और उदीयमान ईमानदारों को बड़ी प्रेरणा मिल सकती थी।

७.लेखक को कहाँ ठहराया गया ?

उत्तर :लेखक को होटल के एक बड़े कमरे में ठहराया गया था।

८.ब्रीफकेस में क्या था?

उत्तर :ब्रीफकेस में कागजात थे।

९.लेखक ने धूप का चश्मा कहाँ रखा था?

उत्तर :लेखक ने धूप का चश्मा कमरे में टेबुल पर रखा था।

१०.तीसरे दिन लेखक के कमरे से क्या गायब हो गया था?

उत्तर :तीसरे दिन लेखक के कमरे से कंबल गायब हो गया था।

II. दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :

१.लेखक को भेजे गये निमंत्रण पत्र में क्या लिखा गया था?

उत्तर :लेखक को भेजे गेये निमंत्रण पत्र में "हम लोग इस शहर में एक ईमानदार सम्मेलन कर रहे हैं। आप देश के प्रसिद्ध ईमानदार हैं। हमारी प्रार्थना है कि आप इस सम्मेलन का उद्घाटन करें। हम आपको आने-जाने का पहले दर्जे का किराया देंगे तथा आवास, भोजन आदि की उत्तम व्यवस्था करेंगे। आपके आगमन से ईमानदारों तथा उदीयमान ईमानदारों को बड़ी प्रेरणा मिलेगी।"

२.फूल मालाएँ मिलने पर लेखक क्या सोचने लगे ?

उत्तर :स्टेशन पर लेखक का खूब स्वागत हुआ। लगभग दस बड़ी फूल-मालाएँ पहनायी गयीं। फूल-मालाएँ मिलने पर लेखक ने सोचा, आस-पास कोई माली होता तो फूल-मालाएँ बेच लेता।

३.लेखक ने मंत्री को क्या समझाया?

उत्तर :लेखक ने मंत्री को समझाया, "ऐसा हरगिज मत करिये। ईमानदारों के सम्मेलन मेम पुलिस ईमानदारों की तलाशी ले, यह बड़ी अशोभनीय बात होगी। फिर इतनेबड़े सम्मेलन में थोड़ी गड़बड़ी होगी ही।"

४.चप्पलों की चोरी होने पर ईमानदार डेलिगेट ने क्या सुझाव दिया?

उत्तर :चप्पलों की चोरी होने पर ईमानदार डेलिगेट ने सुझाव दिया, "देखिए, चप्पलें एक जगह नहीं उतारना चाहिए। एक चप्पल यहाँ उतारिये, तो दूसरी दस फीट दूर। तब चप्पलें चोरी नहीं होतीं। एक ही जगह गोड़ी होगी, तो कोई भी पहन लेगा। मैंने ऐसा ही किया था।"

५.लेखक ने कमरा छोड़कर जाने का निर्णय क्यों लिया?

उत्तर :सम्मेलन में लेखक का सामान सब चोरी हो गया था। ताला तक चोरी हो गया था और अब वे बचे थे। लेखक ने सोचा अगर वे वहाँ ज्यादा समय तक रुकेंगे तो उन्हें हीचोरा लिया जायेगा। इसलिए लेखक ने कमरा छोड़कर जाने का निर्णय लिया।

६.मुख्य अतिथि की बेईमानी कहाँ दिखाई देती है?

उत्तर :मुख्य अतिथि को उद्घाटन में उपस्थित होने के लिए पहले दर्जे का किराया, आवास और भोजन की व्यवस्था की जाएगी। वे दूसरे दर्जे से जाकर पहले दर्जे का किराया लेना चाहते थे। इससे मुख्य अतिथि की बेईमानी दिखाई देती है।

III.चार-छः वाक्यों में उत्तर लिखिए :

१.लेखक के धूप का चश्मा खो जाने की घटना का वर्णन कीजिए।

उत्तर :लेखक ईमानदारों के सम्मेलन का उद्घाटन करने गये थे। वे हटल के एक कमरे में ठहरे थे। दूसरे दिन बैठक में जाने के पहले वे अपना धूप का चश्मा पहनना चाहते थे लेकिन उन्हें न मिला। बैठक में एक सज्जन आकर लेखक से चश्में के बारे में पूछते हैं। लेखक ने देखा कि उस सज्जन ने उनका चश्मा पहन रखा था। फिर भी उसने इतमीनान से बैठे थे।

२.मंत्री तथा कार्यकर्ताओं के बीच क्या वार्तालाप हुआ ?

उत्तर :मंत्री कार्यकर्ताओं को डाँटते हुए कहते हैं "तुम लोग क्या करते हो? तुम्हारी ड्यूटी यहाँ पर है। तुम्हारे रहते चोरियाँ हो रही है। यह ईमानदारों का सम्मेलन है। बाहर यह चोरी की बात फैली तो कितनी बदनामी होगी।''कार्यकर्ताओं ने कहा,"हम क्या करें? अगर सम्माननीय डेलीगेट यहाँ-वहाँ जाए, तो हम उन्हें रोक सकते हैं?'' मंत्री ने गुस्से में कहा, "मैं पुलिस को बुलाकर यहाँ सबकी तलाशी करवाता हूँ।" एक कार्यकर्ता ने कहा "तलाशी किनकी करवाएँगे? आधे के लगभग डेलीगेट किराया लेकर चले गये।" इस प्रकार मंत्री तथा कार्यकर्ताओं के बीच में वार्तालाप हुआ।

३.सम्मेलन में लेखक को क्या-क्या अनुभव हुए ? संक्षेप में लिखिए।

उत्तर :लेखक को ईमानदारों के सम्मेलन का मुख्य अतिथि अनाया गया था। उद्घाटन और भाषण आदि के बाद वे जब अपना चप्पल पहनने गये तो वहाँ नहीं था। उसकी जगह फटी-पुरानी चप्पल वहाँ था। वहाँ आए एक सज्जन उनकी चप्पलें पहन रखी थी। दूसरे दिन बैठक में जाने के लिए अपना धूप का चश्मा ढूँढते वह भी गायब। चश्मा भी दूसरे सज्जन के पास था।तीसरे दिन कमरे में कंबल गायब हो गया था। अंत में कमरे का ताला तक गायब हो गया था। इस तरह सम्मेलन में लेखक का अनुभव कडवा ही था।

IV. अनुरूपता :

१. पहला दिन : चप्पलें गायब थीं :: दूसरे दिन : धूप का चश्मा और दो चादरें

२. तीसरे दिन : कम्बल गायब था :: चौथे दिन : ताला

३. रिक्शा : तीन पहियों का वाहन :: साइकिल: दो पहियों का वाहन

४. रेलगाड़ी : पटरी :: हवाईजहाज : आकाश

V.रिक्त स्थान भरिए :

१.हम लोग इस शहर में एक ईमानदारों का सम्मेलन कर रहे हैं।
२.आपकी चप्पलें नहीं गयीं, यह गनीमत है।
३.वह मेरा चश्मा लगाये इतमीनान से बैठे थे।
४.फिर इतने बड़े सम्मेलन में थोड़ी गड़बड़ी होगी ही।

VI.विलोम शब्द लिखिए :

१.आगमन x निर्गमन २.रात x दिन ३.जवाब x सवाल
४.बेचना x खरीदना ५.सज्जन x दुर्जन

VII. बहुवचन रूप लिखिए :

१.कपड़ा - कपड़े २.चादर - चादरें ३.बात - बातें ४.डिब्बा - डिब्बे ५.चीज़ - चीज़ें

VIII.प्रेरणार्थक क्रिया रूप लिखिए :

१.ठहरना - ठहराना - ठहरवाना २.धोना - धुलाना - धुलवाना
३.देखना - दिखाना - दिखवाना ४.लौटना - लुटाना - लुटवाना
५.उतरना - उतारना - उतरवाना ६.पहनना - पहनाना - पहनवाना

IX.संधि-विच्छेद करके संधि का नाम लिखिए :

१.स्वागत = सु + आगत - दीर्घ संधि २.सहानुभूति = सह + अनुभूति - दीर्घ संधि
३.सज्जन = सत + जन - व्यंजन संधि ४.परोपकार = पर + उपकार - गुणसंधि
५.निश्चिंत = निः + चिंत - विसर्ग संधि ६.सदैव = सदा + एव - वृद्धि संधि

X.कन्नड में अनुवाद कीजिए :

१.हम आपको आने-जाने का पहले दर्जे का किराया देंगे।

ನಾವು ತಮಗೆ ಬಂದು-ಹೋಗಲು ಮೊದಲನೇ ದರ್ಜೆಯ ಬಾಡಿಗೆಯನ್ನು ಕೊಡುತ್ತೇವೆ.

२.स्टेशन पर मेरा खूब स्वागत हुआ।

ರೈಲ್ವೆ ನಿಲ್ದಾಣದಲ್ಲಿ ನನಗೆ ಆದರದ ಸ್ವಾಗತ ದೊರೆಯಿತು.

३.देखिए, चप्पलें एक जगह नहीं उतारना चाहिए।

ನೋಡಿ, ಚಪ್ಪಲಿಗಳನ್ನು ಒಂದೇ ಕಡೆ ಬಿಡಬಾರದು.

४.अब मैं बचा हूँ। अगर रुका तो मैं ही चुरा लिया जाऊँगा।

ಈಗ ನಾನು ಉಳಿದುಕೊಂಡಿದ್ದೇನೆ. ಇಲ್ಲೇ ಇದ್ದರೆ ನನ್ನನ್ನೂ ಕದ್ದುಕೊಂಡು ಹೋಗುವರು.

XI.ईमान गुण के सामने सही चिन्ह(√) और बेईमान गुण के सामने गलत चिन्ह (x)लगाइए :

१.दूसरे लोगों की वस्तुओं को उन्हें पहुँचाना। √

२.चोरी करना। x

३.रास्ते में मिली वस्तुओं को पुलिस स्टेशन पहुँचाना। √

४.कामचोरी करना। x

५.बगल में छुरी मुँह में राम-राम करना। x

६.झूठ बोलना। x

७.नेक मार्ग पर चलना। √

८.जानबूझकर गलती करना। x

९.बहाना बनाना। x

१०.सच बोलना। √

११.समय पर काम पूरा करना। √

१२.धोखा देना। x

१३.जालसाजी करना। x

१४.चोर बाजारी और मिलावट करना। x

१५.निष्ठा से कार्य करना। √

१६.भ्रष्टाचार में शामिल होना। x

१७.सेवाभाव से दूसरों की सहायता करना। √

१८.देश के प्रति सच्चा अभिमान रखना। √

१९.सच्चे भाव से बड़ों का आदर करना। √

२०.अपने सहपाठियों के साथ भाईचारे से व्यवहार करना। √

भाषा ज्ञान

I. दिए गए निर्देशानुसार वाक्य बदलिए :

१. मेरे पास चप्पल नहीं थी। (वर्तमानकाल में)	मेरे पास चप्पल नहीं है।
२.एक बिस्तर की चादर गायब है। (भूतकाल में)	एक बिस्तर की चादर गायब था।
३. उसमें पैसे तो नहीं थे। (भविष्यतकाल में)	उसमें पैसे तो नहीं होगा।
४. कोई उठा ले गया होगा।(वर्तमानकाल में)	कोई उठा ले गया है।
५. वह धूप का चश्मा लगाये थे।(भविष्यतकाल में)	वह धूप का चश्मा लगायेंगे।
६. सुबह मुझे लौटना था।(भविष्यतकाल में)	सुबह मुझे लौटना होगा।

II. निम्नलिखित वाक्यों के आगे काल पहचानकर लिखिए :

१. मैंने सामान बाँधा। भूतकाल

२. बड़ी चोरियाँ हो रही हैं। वर्तमानकाल

३. पहले दर्जे का किराया लूँगा। भविष्यत काल

४. डेलीगेट दोपहर को ही वापस चले गये। भूतकाल

५. मेरी चप्पलें देख रहे थे। भूतकाल

III. इन कहावतों का अर्थ समझकर वाक्य में प्रयोग कीजिए :

जैसे : कहावत - जहाँ चाह वहाँ राह।

अर्थ - इच्छा होने पर उसे पाने का मार्ग स्वयं मिल जाता है।

वाक्य - यदि मनुष्य चाहे तो कठिन से कठिन कार्य को भी पूरा कर सकता है, क्योंकि जहाँ चाह वहाँ राह।

१. गुरु गुड़ ही रहे,चेले शक्कर हो गये। अर्थ - छात्र गुरु से भी आगे बढ़ जाता है।

वाक्य - अब्दुल कलाम जी महानता को देखकर उनके गुरु ने ही कहें,गुरु गुड़ ही रहे,चेले शक्कर हो गये।

२.जैसा देश,वैसा भेस। अर्थ - देश के लोग जैसे होते है वैसे ही उनका वेश,भाषा और संस्कृति भी होती है।

भारत देश की वेश-भाषा को देखकर विदेशी लोग कहते हैं,जैसा देश,वैसा भेस।

३. निर्बल के बल राम। अर्थ - जो लोग निर्बल होते हैं उनके लिए भगवान राम ही बल देते है

वाक्य - कोई भगवान पर भरोसा रखते हैं तो कहा जाता है,निर्बल के बल राम।

४. बंदर क्या जाने अदरक का स्वाद। अर्थ - मूर्ख व्यक्ति किसी वस्तु के गुणों को बिना जाने कुछ भी बोल देता है।

वाक्य - यदि किसी की चतुराई के बारे में बिना जाने कोई कुछ कह देते हैं तो कहा जाता है,बंदर क्या जाने अदरक का स्वाद

५. हाथी के दाँत खाने के और,दिखाने के और। अर्थ - सामने कुछ और,पीछे कुछ और।

वाक्य - यदि कोई किसी के बारे में सामने एक तरह और पीछे से दूसरे तरह कहता है तो कहा जा है,हाथी के दाँत खाने के और,दिखाने के और।